Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to resolve farmer problem in the country.

श्री श्याम सिंह यादव: बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर, मान्यवर कांशीराम, बहन कुमारी मायावती और देश के तमाम गरीब, मजदूर और खास तौर से हमारे जनपद जौनपुर के मजदूरों पर कुर्बान है । महोदय, आप जरा गौर करें कि मौजूदा हुकूमत, सनदकारों, इंडस्ट्रियलिस्ट्स के लिए जरूरत से ज्यादा फिक्रमंद है । गरीबों और काश्तकारों पर बहुत खामोश है । मजदूरों के लिए न सोच कर बड़े-बड़े काश्तकारों, बड़े-बड़े सरमायेदारों के मफाद के बारे में सोचती है ।

हम सभी लोग जानते हैं कि किसान पिछले 6 महीने से कड़कड़ाती ठंड, ठिठुरती ठंड में आज तक परेशानी के आलम में सड़क पर पड़ा हुआ है । लेकिन हुकूमत के कानों पर जूं नहीं रेंग रही है ।

सितम ज़रीफी यह है कि उनसे हमदर्दी का मुज़ाहरा करना तो दूर की बात है, उनके चारों तरफ कीलें और दीवारों खड़ी की जा रही है ।

जनाब वजीरे आलम जो अपने को प्रधान सेवक, खादिमे आला ऐलान करने से थकते नहीं हैं और यह भी दावा करते हैं कि वे किसानों से महज एक फोन की कॉल की दूरी पर है । मैं उनसे दरख्वास्त, गुजारिश करूँगा कि मुल्क का खादिमे आला होते हुए कम से कम एक फोन कॉल ही करके उनकी खबरगीरी कर लें । इतना भी हमारे किसान...(व्यवधान) सर, एक मिनट । अगर वजीरे आलम साहब इतना भी हमारे किसान के लिए कर देंगे तो उनका बहुत बड़ा एहसान होगा । अपने मन की बात से थोड़ी फुर्सत पाकर किसानों के मन की भी बात फ़क़त एक बार सुन लें । इसी के साथ मैं यह गुजारिश करूँगा कि इस ज़रई कवानीम को वापस लेकर किसानों को उनकी बदहाली से बाहर निकालें । जयहिंद, जय भारत ।